श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): सर, मंत्री जी को उत्तर देने दीजिए।

श्री सभापतिः संजय जी, किस बात का उत्तर? ...(**व्यवधान**)... I am sorry. ...(Interruptions)... Now, 'Matters raised with Permission' ...(Interruptions)... Secretary General, 'Message from Lok Sabha.' ...(Interruptions)... First, Secretary General, 'Message from Lok Sabha.'

MESSAGES FROM LOK SABHA- *Contd.*

SECRETARY-GENERAL: Sir, with your kind permission, I rise to report that the Lok Sabha at its sitting held on the 2nd April, 2025, has agreed to the amendments made by the Rajya Sabha in the Banking Laws (Amendment) Bill, 2025, which was passed by Rajya Sabha at its sitting held on 26th March, 2025.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, Shri Jairam Ramesh, ...(Interruptions)... Would you take your seats? ...(Interruptions)... No, no; take your seat. I am coming to you. Hon. Members, in your presence right now, Shri Jairam Ramesh has levelled most atrocious allegation against the Chair: Is the Chair diverting the issue! ...(Interruptions).... Can that be more critical than this? ...(Interruptions)... Let us continue with the work. Let us give quietus to it. My prayer is to give quietus to it. ...(Interruptions)... Shri Satnam Singh Sandhu, 'Demand for Measures to uplift status of farmers of Punjab in border areas.' ...(Interruptions)...

Demand for measures to uplift the status of farmers of Punjab in border areas

श्री सतनाम सिंह संधू (नामनिर्देशित): माननीय सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, मैं पंजाब के बॉर्डर एरिया में रहने वाले बहादुर लोगों का एक महत्वपूर्ण मुद्दा सदन के सामने रखना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)... महोदय, पंजाब की 553 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा राज्य के पाँच जिलों, गुरदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाज़िलका से होकर गुज़रती है। इस सीमा पर बसे लोग भारत के साधारण नागरिक नहीं हैं, बल्कि हमारी फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस हैं। 1965 और 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्धों के दौरान इन लोगों ने हमारे

जांबाज़ सैनिकों का बेमिसाल साथ दिया और भारत की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये लोग हमेशा से देश की पहली सुरक्षा दीवार बनकर खड़े रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Derek O'Brien, I do not appreciate it. ...(Interruptions)... Everything is recorded. ...(**Interruptions**)...

(At this stage, some hon. Members left the Chamber.)

श्री सतनाम सिंह संधूः माननीय चेयरमैन साहब, पिछली सरकारों की नीतिगत कमज़ोरियों के कारण हमारी सीमाएं भी कमज़ोर रहीं। सीमाओं की कमज़ोरी के कारण लंबे समय तक पंजाब के बॉर्डर से आतंकवाद, नशा तस्करी और घुसपैठ ने इस क्षेत्र को गहरा नुक़सान पहुँचाया। इन सीमावर्ती गाँवों और कस्बों के विकास के लिए कुछ भी नहीं किया गया, जिससे यहाँ के लोग आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े रह गए। लेकिन चेयरमैन साहब, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने इन सीमावर्ती क्षेत्रों को एक नया दृष्टिकोण दिया है। महोदय, पहले जिन गाँवों को 'भारत का आखिरी गाँव' बोल कर नकारा जाता था, उन्हें प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 'भारत का पहला गाँव' कहकर संबोधित किया है। 'Vibrant Village Pragramme' के तहत बॉर्डर क्षेत्रों में 3,000 गाँवों का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा बार्डर क्षेत्रों के विकास के लिए 2025 के बजट में 87 परसेंट की बढ़ोतरी भी की गई है। मुझे आशा है कि इससे बॉर्डर्स पर बसे गाँवों का तेज़ी से विकास हो सकेगा। गृह मंत्री, अमित शाह जी के नेतृत्व में बार्डर फेंसिंग मॉडर्न सर्विलांस सिस्टम और हाई-टेक एंटी ड्रोन टेक्नोलॉजी की स्थापना से हमारी सुरक्षा मजबूत हुई है और सीमावर्ती किसानों को राहत भी मिली है, लेकिन पंजाब के सीमावर्ती गाँव पिछले कुछ दशकों से विकास की दौड़ में पीछे रह गए हैं।

माननीय चेयरमैन साहब, सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग दोहरी लड़ाई लड़ रहे हैं। वे एक ओर देश की फूड सिक्युरिटी सुनिश्चित कर रहे हैं, तो दूसरी ओर सीमाओं पर बसे होने के कारण अन्य चुनौतियों से भी जूझ रहे हैं। महोदय, सीमावर्ती क्षेत्र के होलिस्टिक डेवलपमेंट के लिए एक डेडिकेटेड बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के माध्यम से विकास कार्य शुरू किए जाएं, ताकि हमारी यह पहली डिफेंस लाइन मजबूत हो सके। मैं इसके साथ ही यह भी निवेदन करना चाहूंगा कि इन पाँच बॉर्डर्स के डिस्ट्रिक्ट्स में हर डिस्ट्रिक्ट में नीति आयोग का एक अटल इन्क्यूबेशन सेंटर खोला जाए, जिससे युवाओं को अपना बिजनेस सेट-अप करने और जॉब क्रिएशन में सहायता मिल सके, 'वाइब्रेंट विलेज़ प्रोग्राम' के तहत पंजाब के अधिक से अधिक सीमावर्ती गाँवों को कवर किया जाए और कृषि, व्यापार के अवसरों तथा रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाए, ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति सशक्त हो पाए।

महोदय, मैं केंद्र सरकार की एसपीवी योजना के तहत इन सभी बॉर्डर जिलों में मेगा फूड पार्क प्रोजेक्ट्स के लिए निवेदन करना चाहूंगा, जिससे किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य मिल सके और बॉर्डर इनोनॉमी भी तेज़ी से आगे बढ़े। ...(**समय की घंटी**)...

MR. CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Satnam Singh Sandhu: Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh), Shri Madan Rathore (Rajasthan) and Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh).

Hon. Members, as Chairman, I maintained utmost restraint, and I indicated that not only Leader of the Opposition, but very constitutionally highly-positioned persons, including Prime Minister, have been subjected to insinuations with no remorse. Let us not go to a level कि खुद के घर में आग लगे, तभी बोलें। Please mark my words. Your Chairman was called a cheerleader by Mr. Jairam Ramesh. Imagine my pain when a senior Congress leader videographed a mimicry of the Chairman, on the sacred premises of this House! Imagine the pain of millions of people in the country when you have travelled outside only to taint, tarnish, demean and spoil reputations! I was extremely considerate. I was also considerate when it came to Rana Sanga's issue. I did not reveal the personal part of it. The house in Sainik School, in which I lived, was named after Rana Sanga, a great son. But there was no such response! Do we react only जब खुद की दाड़ी में ही आग लगती है? I showed the highest respect to the leader of the Opposition. But, if you mean to politicise, then, let me tell you, expunction by Chair should bring quietus to the issue. That is number one. Number two, I have tasked Ethics Committee, headed by Shri Ghanshyam Tiwari, to get in touch with experts and try to devise a mechanism so that hon. Members can be counselled. Parties have to take responsibility how to rectify the reputations and how to save the reputations. I have seen Mr. Derek O'Brien gesticulating to his Members. Can we ever countenance this? When I expunged observations of Mr. Derek O'Brien, he put them in social media on Twitter -- day one, day two, day three, day four, day five, day six, day seven and day eight. I can go to any extent to preserve order in the House. You do not recognise the stature of a Prime Minister who is in his third term. You take things so contemptuously with the President of India, the first tribal woman, a lady of grace, a lady of devotion, and sacrifices writ large in her personality. These insinuations and these aspersions have not emanated from ordinary Members. The source of these allegations is from political leadership. I was trying to be accommodative for the sheer respect I have for every Member here. But, then, this is used as a political transaction and it is used to set a political narrative. I saw Kharge*ji* taking assistance of former Prime Minister Devegowda*ji*. But whenever Devegowda*ji* has spoken, I had to suffer interruptions only from one segment. Why? Hon.

Members, on this day, the day on which Rajya Sabha came into being, let us think deeply. I do not want to create any situation other than convergence of views to run the House more effectively.

Now, Shri Govindbhai Laljibhai Dholakia - Demand to formulate National Solar Waste Management Policy. It is a very important subject.

Demand to formulate National Solar Waste Management Policy

श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया (गुजरात): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे आज सदन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद।

"त्वमादिदेवः पुरुषः पुराण स्त्वमस्य विश्वस्य परं निधानम्।
वेत्तासि वेद्यं च परं च धाम त्वया ततं विश्वमनन्तरूप।।"

(**उपसभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

माननीय उपसभापति महोदय, हमारे देश में नवीकरणीय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा का तेजी से विस्तार हो रहा है। भारत में वार्षिक रूप से करीब 300 दिन तक सौर ऊर्जा की उपलब्धता रहती है, जिससे यह स्वच्छ, सस्ती और टिकाऊ ऊर्जा का प्रमुख स्रोत बन गई है। हमारे प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी की दीर्घ दृष्टि से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी पहलों के माध्यम से सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 225 गीगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन प्राप्त करना है। महत्वपूर्ण बात यह है कि सौर ऊर्जा से उत्पन्न होने वाले solar waste के प्रभावी निस्तारण और प्रबंधन करने की चुनौती हमारे सामने उभर रही है। Council on Energy, Environment and Water के एक अध्ययन के अनुसार वर्तमान में भारत में solar waste लगभग 1 लाख टन है, जो 2030 तक बढ़ कर 6 लाख टन तक पहुँच सकता है। माननीय उपसभापति महोदय, सौर पैनलों की औसत आयु 20-30 वर्ष होती है, जिसके बाद उनके निस्तारण की आवश्यकता रहती है। उनमें काँच, एल्युमिनियम, तांबा तथा विषैले तत्व, जैसे सीसा और कैडमियम होते हैं, जो पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकते हैं।

माननीय महोदय श्री, अंत में मैं आपके माध्यम से माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि केन्द्र सरकार राज्य सरकारों और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय के साथ National Solar Waste Management Policy तैयार करने पर विचार करे, जिससे भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा और अधिक प्रभावी और स्थायी हो सके। धन्यवाद, महोदय श्री।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member, Shri Govindbhai Laljibhai Dholakia: Shri R.